

Let Your Light So Shine Before Men

दीपक

तेरा वचन मेरे पांव के लिये दीपक, और मेरे मार्ग के लिये उजियाला है। भजन संहिता 119:105

अब समय है

टेड्डी रॉजवेल्ट ने एक बार कहा, "जो भी आपके पास हो, जहां भी आप हो और जो भी आप कर सकते हो उसको करें।" यह वास्तव में एक बहुत ही अच्छी सलाह है लेकिन हममें से बहुत कम लोग इसका अनुसरण करते हैं।

प्रायः हम बहुत बड़े काम करने की योजना बनाते हैं.... जबकि अच्छा यह है कि हम इसी समय छोटे काम करें बजाय इसके कि बाद में बड़े काम करेंगे। दो दमड़ी देने वाली गरीब विधवा के पास एक उचित कारण था कि वह बाद में जब अमीर हो जायेगी तो अधिक दान देगी, लेकिन उसके पास जो भी था, जहां भी वह थी और जो भी वह कर सकती थी उसने किया।

बहुत से नौजवान ऐसा कहते हैं कि जब तक वे स्नातक नहीं होंगे बपतिस्मा नहीं लेंगे या जब तक उनको नौकरी नहीं मिलेगी वे बपतिस्मा नहीं लेंगे या जब तक उनकी शादी नहीं होगी वे बपतिस्मा नहीं लेंगे। बहुत से क्रिष्टेडेलफियन ऐसा कहते हैं कि जब तक वे सच्चाई को और अधिक नहीं जान लेंगे वे प्रचार नहीं करेंगे या जब तक उचित समय नहीं आयेगा वे प्रचार नहीं करेंगे या जब तक वे मिशन कार्यक्षेत्र में नहीं जायेंगे वे प्रचार नहीं करेंगे। यह सम्पूर्ण संसार ही मिशन कार्यक्षेत्र है और प्रचार का समय अभी है।

जो भी आपके पास हो, जहां भी आप हो और जो भी आप कर सकते हो उसको करें, इस बात का एक अच्छा उदाहरण मरियम है।

लूका बताता है कि मारथा ने दो बार "यीशु मसीह को अपने घर बुलाया।" और मरियम के विषय में हम पढ़ते हैं कि वह यीशु मसीह के पीछे दूसरे लोगों के घर जाती थी। दो बार मरियम



शमौन नामक एक व्यक्ति के घर यीशु मसीह के साथ गयी और एक बार अपनी बहन मारथा के घर गयी। मरियम का कोई घर नहीं था इसलिए वह यीशु मसीह को अपने घर आमंत्रित नहीं कर सकी। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि मरियम जो भी कर सकती थी उसने वह किया। वास्तव में यही शब्द यीशु मसीह ने भी उसके विषय में कहे। यीशु मसीह ने कहा, "उसे क्यों तंग करते हो? छोड़ो उसे। उसने तो मेरे लिए एक मनोहर काम किया है। क्योंकि कंगाल तो सदा तुम्हारे साथ रहेगें सो तुम जब चाहो उनकी सहायता कर सकते हो, पर मैं तुम्हारे साथ सदा नहीं रहूँगा। इस स्त्री ने वही किया जो वह कर सकती थी।"

मरियम बहुत अधिक नहीं कर सकी लेकिन उसने वह किया जो वह कर सकती थी। ऐसा ही प्रभु हमसे भी करने के लिए कहता है। इसलिए हम अभी वह करें जो हम कर सकते हैं।

मारथा को भी जो वह कर सकती थी वो करने की आज्ञा मिली होगी। आज कितनी घरेलू स्त्रियां है जो इसलिए यीशु मसीह को अपने घर आमंत्रित नहीं करती है, क्योंकि उन्हें अपने रहने की जगह में पेंटिंग लगानी है, या उनका कालीन फटा हुआ है या उनके पास कोई अच्छा भोजन बनाने वाला नहीं है? फिर भी मारथा ने वह किया जो वह कर सकती थी। ऐसा नहीं है कि मारथा का घर उस क्षेत्र में सबसे अच्छा था और हो सकता है कि वहां कोई और भी हो जो उससे अच्छा भोजन बनाने वाला हो लेकिन फिर भी उसने यीशु मसीह को आमंत्रित किया और जो भी उसके पास था, जहां भी वह थी और जो भी वह कर सकती थी उसने किया।

इसलिए अब हमारे लिए महत्वपूर्ण बात यह है कि हम यह निश्चित करे कि जो भी हमारे पास है ओर जहां भी हम है और जो भी हम कर सकते है वह हम कर रहे है। और यह शुरू करने का समय बिल्कुल अभी है। क्या कोई बीमार है? जाओं उनसे मिलो, उनको



आज ही सान्त्वना दो, उनको आज ही फोन करो और कहो कि हमें उनका ध्यान है। अभी ऐसा करो। ऐसा कौन है जो सत्यता को नहीं जानता? क्या हमने उसे अपनी इस अदभुत आशा के विषय में बताया है, कि हमें चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है अगर, डीजल या पेट्रोल खत्म हो रहा, युद्ध के विषय में, मुद्रास्फीति के लिए, या हमारे चारों ओर होने वाले नैतिकता के हनन के लिए। लोग

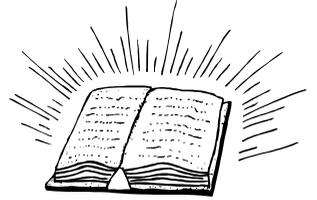
इन बातों को लेकर चिन्तित रहते है। हम जानते है कि यीशु मसीह की वापिसी तक इन सब बातों का होना निश्चित है। क्या हम उन सभी को, जिनको हम बता सकते है, अपनी

इस अदभुत आशा के विषय में बता रहे हैं? आपको मित्रों को आमंत्रित करने के लिए नगर में होने वाली किसी विशेष घोषणा की प्रतिकक्षा करने की आवश्यकता नहीं है। जो भी आप के पास है, जहां भी आप है, और जो भी आप कर सकते हैं करें। जब तक आपको दानियेल और प्रकाशितवाक्य समझ में नहीं आ जाता तब तक आपको सच्चाई के प्रचार करने के लिए प्रतिकक्षा करने की आवश्यकता नहीं है। जितना भी आप जानते हैं वह उनको अभी बताना शुरू करें। जितना अधिक आप उनको बतायेंगे उतना ही अधिक आप स्वयं सीखेंगे।

बहुत से सच्चाई को जानने वाले बच्चों ने अपने दोस्तों में इसके प्रति रुचि पैदा की है, जबकि बहुत से ऐसे अनुभवी लोग हैं जो सही समय की प्रतिकक्षा कर रहे हैं। यदि किसी का घर जल रहा हो तो क्या हमें उसके आग के अलार्म बजने का इंतजार करना चाहिये। हमें वही और उसी समय अपनी उस आवाज, जो परमेश्वर ने हमें दी है, का इस्तेमाल करना चाहिये।

पौलुस ने कुरिन्थियों के लोगों से कहा, "देखो, उचित समय यही है, देखो, उद्धार का दिन यही है।" परमेश्वर की सेवा करने का समय अभी है। इसलिए जो भी हमारे पास है ओर जहां भी हम हैं और जो भी हम कर सकते हैं वह हम आज ही शुरू करें।

‘अब समय है’ (Now is the time) is taken from ‘Minute Meditations’ by Robert J. Lloyd



हम बाईबिल में विश्वास क्यों करें?

बाईबिल बहुत समय पहले लिखी गयी। हम यह कैसे विश्वास करें कि बाईबिल वास्तव में परमेश्वर के द्वारा लिखी गयी। वास्तव में बहुत से ऐसे प्रमाण हैं जो बाईबिल की दिव्य उत्पत्ति को सिद्ध करते हैं। यहां हम बहुत से ऐसे प्रमाणों को देखेंगे जो इस बात को सिद्ध करते हैं कि बाईबिल की उत्पत्ति वास्तव में परमेश्वर की ओर से हुयी।

प्रचार: विश्वास करने के छः कारण

प्रचार (PREACH) में छः ऐसी बातें निहित हैं जो बाईबिल की दिव्य उत्पत्ति के विषय में बताती हैं।

Prophecy	- भविष्यवाणी
Resurrection	- पुनरूत्थान
Environment	- सृष्टि
Archaeology	- पुरातत्व विज्ञान
Consistency	- निरन्तरता
Health Laws	- स्वास्थ्य व्यवस्था

भविष्यवाणी

भविष्यवाणियों का पूरा होना, इस बात को दर्शाता है कि बाईबिल की उत्पत्ति अवश्य ही एक शक्तिमान परमेश्वर की ओर से हुयी है जो भविष्य को भी जानता है।

दूसरे अन्य स्थानों, जैसे – बाबुल, के विषय में भी विस्तृत भविष्यवाणियाँ हैं। जब यशायाह और यिर्मयाह ने बाबुल के विषय में भविष्यवाणी की, उस समय बाबुल विश्व का एक शक्तिशाली राष्ट्र था:

- | | |
|--|----------------|
| 1- बाबुल फिर कभी न बसेगा | यशायाह 13:20 |
| 2- वहां जंगली जन्तु बैठेंगे, और उल्लू उनके घरों में भरे रहेंगे | यशायाह 13:21 |
| 3- लोग उस से न तो घर के कोने के लिए पत्थर लेंगे, और न नेव के लिए | यिर्मयाह 51:26 |
| 4- उस में कोई मनुष्य नहीं रहता, और उससे होकर कोई आदमी नहीं चलता | यिर्मयाह 51:43 |
| 5- मैं उसे सत्यानाश के झाड़ू से झाड़ डालूंगा | यशायाह 14:23 |

इनमें से प्रत्येक भविष्यवाणी पूर्ण हो चुकी है।

नबूकदनेस्सर की मूर्ति (दानियेल अध्याय 2) की भविष्यवाणी भी एक असाधारण भविष्यवाणी है। बेबीलॉन के राजा नबूकदनेस्सर ने एक विशाल मूर्ति के विषय में स्वप्न देखा, यह मूर्ति विभिन्न धातुओं से बनी हुयी थी। मूर्ति की इन विभिन्न धातुओं ने चार ऐसे सम्राज्यों को प्रदर्शित किया जिन्होंने मध्य पूर्व (Middle East) क्षेत्र पर शासन किया। यह विस्तृत स्वप्न उस समय देखा गया जब इन सम्राज्यों में से केवल पहला सम्राज्य ही अस्तित्व में था। अब क्योंकि इस स्वप्न के द्वारा की गयी भविष्यवाणी के अनुसार ही ये सम्राज्य आये और चले गये, इसलिए हम स्वप्न के अन्तिम भाग के विषय में भी आश्वस्त हो सकते हैं कि वह भी पूरा होगा और परमेश्वर का राज्य स्थापित होगा।

यीशु मसीह के विषय में की गयी भविष्यवाणियाँ भी महत्वपूर्ण हैं। भजन संहिता 22

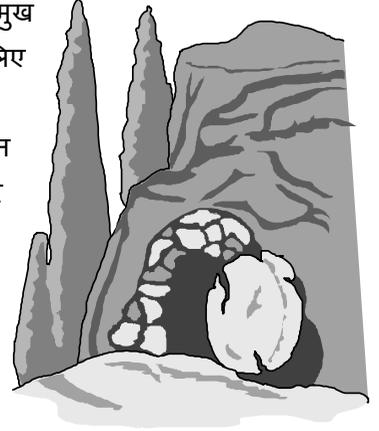
अध्याय की तुलना मत्ती के 27 अध्याय से करने पर हम देखते हैं कि यीशु मसीह के क्रूस पर चढाये जाने के समय की कितनी घटनाओं की भिवष्यवाणी पहले से कर दी गयी थी। हम जानते हैं कि यह भजन यीशु मसीह के क्रूस पर चढाये जाने से पहले लिखा गया था क्योंकि भजनसंहिता की पुस्तक की प्रतिलिपियो का समय मृत सागर की सूचियो से पहले का है।

पुर्नरूथान

शायद सम्पूर्ण बाईबिल का सबसे आश्चर्यजनक दावा यीशु मसीह का मृतको में से जी उठने का है। इस घटना के बहुत ही मजबूत प्रमाण है।

उदाहरण के रूप में अगर देखें तो, बहुत से लोगों ने यीशु मसीह को पुर्नरूथान के बाद देखने का दावा किया। (1 कुरिन्थियो 15:3-8) उन में से बहुत से लोगों को शुरू में विश्वास नही हुआ और प्रभु यीशु मसीह को उन्हें अपने जीवित होने के बहुत से प्रमाण देने पडे। (प्रेरितो 1:3) अवश्य ही उन लोगों के सम्मुख विश्वास करने के लिए बाध्य करने वाले प्रमाण थे, इसलिए उन्हें विश्वास करना पडा।

प्रभु यीशु मसीह की मृत्यु के बाद सभी चेले हतोत्साहित हो गये और डर गये। लेकिन कुछ हफ्तों में ही वे फिर से प्रेरित और उत्साहित होकर सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास की घोषणा करने लगे। जब तक उन्होंने यीशु मसीह को वास्तविक रूप से पुनः जीवित नही देखा वे क्यों नही बदले? चेलो के पास विश्वास ना करने का प्रत्येक कारण था। पुर्नरूथान में अपने विश्वास के



कारण चेलो को बहुत सताव सहना पडा। निश्चय ही चेलो को पूर्ण रूप से विश्वास हो चुका था कि यीशु मसीह का पुर्नरूथान हो चुका है। कोई भी व्यक्ति बिना सच्चाई को जाने,केवल सन्देह में, इतने सताव को नहीं सह सकता जितना चेलो ने सहा।

यीशु मसीह की मृतक देह का ना पाया जाना भी उनके पुर्नरूथान का एक बडा प्रमाण है। यहूदी मसीही गतिविधियों को रोकना चाहते थे, और कोई भी मृतक देह दिखाकर, वे ऐसा आसानी से कर सकते थे, क्योंकि कब्र उनके संरक्षण में थी।

अतः इस प्रकार के तर्क यह प्रमाणित करते हैं कि यीशु मसीह वास्तव में मृतको में से जी उठे। और यदि यीशु मसीह जी उठे तो उन्हें जीवित करने वाला अवश्य ही एक सर्वशक्तिमान परमेश्वर है और बाईबिल उस परमेश्वर का वचन है।

सृष्टि

दाऊद ने आकाश की ओर देखा और कहा, "आकाश ईश्वर की महिमा का वर्णन कर रहा है।" जब भी हम इस सृष्टि की ओर देखते हैं तो हमें परमेश्वर के सर्वशक्तिमान होने और इन्हें बनाने के पीछे जो उसकी अदभुत योजना है उसके प्रमाण मिलते हैं।



उदाहरण के लिए हम इस ब्रह्माण्ड की भौतिक संरचना और उसके असाधारण तालमेल को देख सकते हैं। यदि गुरुत्वीय बल थोड़ा सा अधिक होता तो सूर्य जीवन को जलाकर समाप्त कर देता। और यदि गुरुत्वीय बल थोड़ा सा कम होता तो हिलीयम से भारी किसी भी तत्व की रचना नहीं हो सकती थी। पचास से भी अधिक ऐसे भौतिक नियतांक हैं जिनके तालमेल ने इस ब्रह्माण्ड और जीवन को बचाया हुआ है।

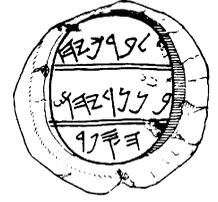
जीव विज्ञान भी इस असाधारण डिजाईन के प्रमाण प्रस्तुत करती है। उदाहरण के लिए यदि हम आँख को देखें। यह एक अदभुत और जटिल अंग है जिसके विभिन्न भाग सामंजस्य के साथ कार्य करते हैं। जब सर आइसक न्यूटन ने आँख की जटिल संरचना पर विचार किया तो उन्होंने लिखा, "क्या दृष्टि और प्रकाश विज्ञान में निपुणता के बिना आँख को बनाना संभव था?" नहीं, इसके लिए एक निपुण सर्वशक्तिमान सृष्टिकृता की आवश्यकता थी। चार्ल्स डार्विन ने लिखा, "यह मानना कि आँख का निर्माण प्राकृतिक संग्रह के द्वारा हो सकता है, बिल्कुल बेतुका है और मैं इस बात को स्वीकार करता हूँ।"

परमेश्वर की सृष्टि उसकी शक्ति और उसके अस्तित्व के पर्याप्त प्रमाण प्रस्तुत करती है। पौलुस ने रोमियों से कहा कि परमेश्वर के अस्तित्व के इतने प्रमाण हैं कि यदि इनके बावजूद भी कोई व्यक्ति उसमें विश्वास नहीं करता तो उसके पास क्षमा करने लायक कोई कारण नहीं है। (रोमियों 1:20)

पुरातत्व विज्ञान

बहुत सी पुरातत्वीय खोजें बाईबिल की ऐतिहासिक सत्यता को सिद्ध करती हैं। उदाहरण के लिए, बाईबिल में वर्णित बहुत से लोगों के अस्तित्व के प्रमाण मिट्टी की मोहरों के रूप में पाये गये हैं। जब भी कोई पत्र या दस्तावेज किसी को भेजा जाता था तो उस पर मोम या मिट्टी की मुहर लगायी जाती थी जिस पर लिखने वाले का नाम होता था। इसी प्रकार की कुछ मोहरे पायी गयी हैं। (हालांकि जिन दस्तावेजों के लिए ये मुहरे प्रयोग की गयी थी वे टुकड़े-टुकड़े हो चुके हैं।) पायी गयी ये मुहरे निम्न व्यक्तियों से सम्बन्धित हैं:

बारूक, नेरिय्याह का पुत्र	यिर्मयाह 36:4
यरहमेल, राजा का पुत्र	यिर्मयाह 36:26
गमर्याह, शापान का पुत्र	यिर्मयाह 36:10
सरायाह, नेरिय्याह का पुत्र	यिर्मयाह 51:59
अजर्याह, हिलकिय्याह का पुत्र	1 इतिहास 6:13
असल्याह, मशुल्लाम का पुत्र	2 राजा 22:3



बारूक की मोहर

घटनाओं, स्थानों और लोगों से सम्बन्धित कुछ दूसरी पुरातत्वीय खोजे भी, बाईबिल की ऐतिहासिक सत्यता को सिद्ध करती हैं।

निरन्तरता

बाईबिल बहुत से अलग-अलग लेखकों के द्वारा लगभग 1600 वर्षों में लिखी गयी तो भी बाईबिल की किसी भी पुस्तक में कही भी आपस में जरा सा भी विरोधाभाष नहीं मिलता है। बाईबिल में विभिन्न ऐसे अलग अलग पद हैं जो आपस में एक दूसरे से सहमत हैं और बाईबिल के 'अनियोजित संयोग' को प्रदर्शित करते हैं। कुछ ऐसे ही उदाहरण निम्न लिखित हैं-

- गिनती 13:33 फिर हमने वहां नपीलो को, अर्थात् नपीली जातिवाले अनाकवंशियों को देखा; और हम अपनी दृष्टि में तो उनके सामने टिड्डे के समान दिखाई पड़ते थे, और ऐसे ही उनकी दृष्टि में मालूम पड़ते थे।
- यहोशू 11:21-22 उस समय यहोशू ने पहाडी देश में आकर हेब्रोन, दबीर, अनाब, वरन यहूदा और इस्राएल दोनों के सारे पहाडी देश में रहने वाले अनाकियों को नाश किया; यहोशू ने नगरो समेत उन्हें सत्यानाश कर डाला। इस्राएलियों के देश में कोई अनाकी न रह गया। केवल अज्जा, गत और अशदोर में कोई कोई रह गए।
- 1 शमूएल 17:4 तब पलिशितियों की छावनी में से एक वीर गोलियत नाम निकला, जो गत नगर का था, और उसके डील की लम्बाई छः हाथ एक बित्ता थी।

ये पद तीन अलग-अलग लेखकों के द्वारा अलग-अलग समय पर लिखे गये तो भी इनमें आपस में पूर्णतया सामंजस्य है। पहला पद दिखाता है कि जब इस्राएली प्रतिज्ञा की गयी भूमि में पहुँचे तो वहां विशालकाय शक्तिशाली लोग (अनाकवंशी) थे। दूसरा पद दिखाता है कि बाद में इस्राएल में इन सभी विशालकाय लोगों को नष्ट कर दिया केवल तीन नगरों,

अज्जा, गत और अशदोद में कोई कोई रह गया। तीसरे पद में लिखा है कि गोलियत, गत नगर का रहने वाला था। वह अवश्य ही अनाकवंशी था। अतः इन तीनों पदों के द्वारा हम बाईबिल की ऐतिहासिक सच्चाई को देख सकते हैं। यह कोई काल्पनिक कहानी नहीं है।

स्वास्थ्य व्यवस्था

मूसा की व्यवस्था में साफ-सफाई और स्वास्थ्य सम्बन्धी बहुत से नियम थे जो मानवीय स्वास्थ्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण समझे जाते हैं। इस्राएली इस व्यवस्था को उस समय नहीं समझ सके। इसलिए यह व्यवस्था भी इस बात का प्रमाण है कि बाईबिल परमेश्वर की ओर से आयी है।

उदाहरण के लिए यदि हम देखें तो रेफ्रिजरेशन और पकाने की उचित विधि के विकास होने से पहले समुद्री भोजन खाने से पेट की समस्याएँ हो सकती थीं। मूसा की व्यवस्था में इन्हें खाना प्रतिबन्धित था। (लैव्यव्यवस्था 11:4-8, 10-12)

दूसरा उदाहरण मल को ढापने का है। आज की अपेक्षा उस समय मल को गलियों में डाला जाता था। गन्दगी में मक्खियाँ पैदा होती हैं और महामारी फैलाती हैं। हैजा, दस्त और टायफॉयड जैसी बिमारियों से लाखों जिन्दगी समाप्त हो जाती हैं। लेकिन इस्राएलियों के साथ इस प्रकार की कोई समस्या नहीं थी।

केवल परमेश्वर ही हजारों वर्षों पहले इस प्रकार की व्यवस्था दे सकता है जो आज विज्ञान की दृष्टि से भी सही है।

‘हम बाईबिल में विश्वास क्यों करें’ (Reasons to believe the Bible) is from ‘The Way of Life’ by Rob J. Hyndman

कृपया निःशुल्क हिन्दी पुस्तिका “बाईबल की दिव्य उत्पत्ति” और हिन्दी बाईबल पत्राचार पाठ्यक्रम हेतु हमारे निम्न पते पर सम्पर्क करें --

दि क्रिस्टडेलफियन

पो. बा. न. -- 10

मुजफ्फरनगर (यूपी) -- 251002

केवल व्यक्तिगत वितरण हेतु